डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 9, अंक 31 अप्रैल–जून, 2018

पूर्वी डीएफसी में हाथरस रेल फलाईओवर पर गर्डर लॉंचिंग

पूर्वी डीएफसी के भाऊपुर–खुर्जा सेक्शन के निर्माण में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई जब हाथरस रेल फ्लाईओवर पर एक ओपन वेब गर्डर को अप्रैल 2018 में सफलता पूर्वक लॉन्च किया गया। यह उत्तर पूर्वी रेलवे के मथुरा–कासगंज मार्ग के मेंडु रेलवे स्टेशन के नजदीक है। 11 मीटर ऊंचाई (तीन मंजिला इमारत के बराबर) एवं 44.85 मीटर की चौड़ाई के स्टील गर्डर का वजन लगभग 650 मीट्रिक टन (दो भारी हवाई जहाज के बराबर) है। यह ओपन वेब गर्डर योजनाबद्ध तरीके से कुशल निष्पादन के साथ केवल 2 घंटे तक यातायात रोक कर लॉन्च किया गया।

पश्चिमी डीएफसी में रिकॉर्ड ट्रैक लेईंग

पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के मदार – इक़बालगढ़ सेक्शन में जून 2018 को 41.25 किमी ट्रैक लेइंग करके सबसे ज्यादा मासिक प्रगति का एक और माइलस्टोन हासिल किया। सीटीपी–1 और सीटीपी–2 में संयुक्त रूप से माह में 54.1 किलोमीटर ट्रैक बिछाया गया।

अप्रैल - जून 2018 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

डब्लूडीएफसी में सीटीपी –1 और 2 के तहत रेवाड़ी–इकबालगढ़ अनुभाग में सिविल कार्य : अप्रैल–जून, 2018 के दौरान ब्लैंकेटिंग सहित 26.76 कि.मी निर्माण (Formation) कार्य किया गया है। इस समय में 132.49 कि. मी. ट्रैक लिंकिंग कार्य किया गया है। क्यूमुलेटिव ट्रैक लिंकिंग 689. 77 कि. मी. तक पहुंच गया। 1041 ओएचई मास्ट फाउंडेशन और 2488 मास्ट इरेक्शन का कार्य इस अवधि के दौरान किया गया, इससे क्यूमुलेटिव आंकड़े क्रमशः 12,279 और 4,908 हो गए।

ईडीएफसी–2 के भाऊपुर–मुगलसराय अनुभाग में सिविल कार्य : 290 किलोमीटर से अधिक हिस्से में अर्थवर्क प्रगति पर है। 40 बड़े पुलों एवं 250 से अधिक छोटे पुलों का कार्य चल रहा है। रामावा और पहारा में कंक्रीट स्लीपरों और रेलों की आपूर्ति हो रही है। रामावा में एनटीसी मशीन द्वारा ट्रैक को जोड़ने का कार्य प्रगति पर है। टौंस और यमुना नदी पर पुलों का निर्माण कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। यमुना पुल के प्रथम गर्डर का ट्रायल असेंबली माह के दौरान पूरा किया गया है। पहले गर्डर को लॉन्च करने का कार्य प्रगति पर है।

पूर्वी डीएफसी के यमुना ब्रिज में कार्य प्रगति पर

डब्ल्यूडीएफसी – टौंस पुल का कार्य प्रगति पर है

पूर्वी कोरीडोर

पिलखानी – साहनेवाल अनुभाग (सीटीपी–301)

- जीआईएल–टीपीएल (जेवी) ने 1769 करोड़ रु. की पैकेज पर कार्य शुरू किया है। एजेंसी ने सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है और 90 प्रतिशत भू–तकनीकी जांच कार्य हो गया है।
- निर्माण में अर्थवर्क, पुल का कार्य और निर्माण कार्य आदि प्रगति पर है।
- तिमाही के दौरान भराव में अर्थवर्क की प्रगति 8,30,670 घन मीटर तक किया गया है और इसमें क्यूमुलेटिव प्रगति 27,81,090 घन मीटर है।
- यहां 81 छोटे पुलों, 32 बड़े पुलों का कार्य प्रगति पर है, 3 आरएफओ और 2 महत्वपूर्ण पुलों का कार्य भी निर्माणाधीन है।

खुर्जा – दादरी अनुभाग (सीपी–105)

- पहले चरण में 15.03.2018 तक 6 पूर्व–योग्य प्राप्त संविदाकारों से तकनीकी प्रस्ताव प्राप्त किए गए। तकनीकी मूल्यांकन प्रगति पर है।

पिलखानी – साहनेवाल अनुभाग (सीपी–304)

- पिलखानी–साहनेवाल अनुभाग (सीपी –304) के लिए सिस्टम कार्य के लिए आरएफपी 12.06.2018 को तकनीकी प्रस्ताव प्राप्त हुए। तकनीकी मूल्यांकन पर कार्य चल रहा है।

खुर्जा– पिलखानी अनुभाग (सीपी–305)

- खुर्जा–पिलखानी अनुभाग के सिस्टम कार्य का PQ पूरा हो गया है। विश्व बैंक से Bid Document की क्लियरेंस 05.04.2018 को प्राप्त हो चुकी है। IFB 25.04.2018 को विश्व बैंक को क्लियरेंस के लिए भेज दिया गया है। Bid Document 14.05.2018 को जारी कर दिया गया है। Pre-submission conference 01.06.2018 को आयोजित की गई। प्रश्नों के उत्तर और addendum को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पश्चिमी कोरीडोर

स्पेशल ब्रिज पैकेज–साबरमती एवं नर्मदा नदियों पर (सीटीपी –3A (आर))

- माही और साबरमती पुलों के सभी Piers पर फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। सबस्ट्रक्चर का 58,760 क्यूबिक मीटर कंक्रीटिंग (जो कुल 88,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीटिंग का 66.94 प्रतिशत है) पूरा हो चुका है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 41.15 प्रतिशत है और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 34.12 प्रतिशत है।

इकबालगढ़– मकरपुरा अनुभाग (सीटीपी– 3(R)

- 342 कि.मी. के हिस्से में से 68 कि.मी. की लंबाई तक : कटिंग / भराव में अर्थवर्क का कार्य पूर्ण हुआ, 46 कि.मी. की लंबाई का सबग्रेड कार्य और 08 कि.मी. की लंबाई का ब्लैंकेटिंग कार्य किया गया है।
- इन सेक्शन पर 345 छोटे पुलों में से 45 छोटे पुलों पर कार्य प्रगति पर है तथा 264 छोटे आरयूबी में से 17 छोटे आरयूबी पर कार्य चल रहा है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 27.35 प्रतिशत और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 16.86 प्रतिशत रही है।

सचिन–वैतरना अनुभाग (सीटीपी–12)

- इस पैकेज में 97 किमी. क्लीयरिंग और ग्रबिंग, 7.8 लाख क्यूबिक मीटर अर्थवर्क इन फिलिंग, 11.88 लाख क्यूबिक मीटर कटिंग और 2855 क्यूबिक मीटर ब्लैंकेंटिंग हो चुका है।
- 61 छोटे पुलों और 10 छोटे आरयूबी का कार्य प्रगति पर है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 11.72 प्रतिशत और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 5.80 प्रतिशत रही है।

वडोदरा–सचिन अनुभाग (सीटीपी–13)

- 30 किमी. की लम्बाई में क्लीयरिंग और ग्रबिंग, 36.15 लाख क्यूबिक मीटर में अर्थवर्क इन फिलिंग और कटिंग में 19.62 लाख क्यूबिक मीटर कार्य किया गया है।
- 9 बड़े पुलों और 33 छोटे पूलों, 5 बड़े आरयूबी और 29 छोटे आरयूबी में कार्य प्रगति पर है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 19.22 प्रतिशत और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 10.74 प्रतिशत रही है।

रेवाड़ी–दादरी अनुभाग (इंटेग्रेटेड सीटीपी –14)

- लगभग 95 प्रतिशत सर्वेक्षण और 85 प्रतिशत जीटीआई कार्य पूरे हो गए हैं। अब तक 11.52 लाख क्यूबिक मीटर अर्थवर्क और 0.80 लाख क्यूबिक मीटर कटिंग कार्य किया गया है। 24 स्ट्रक्चर पर कार्य प्रगति पर है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 16.22 प्रतिशत और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 13.12 प्रतिशत रही है।

वैतरना– जेएनपीटी अनुभाग (सीटीपी–11)

- 100 प्रतिशत आरओडब्ल्यू का स्ट्रक्चर वेरिफाई किया गया और कुल 83.80 कि.मी. आरओडब्ल्यू कॉन्ट्रेक्टर को सौंपी गई है। 90 प्रतिशत सर्वेक्षण और 80 प्रतिशत जीटीआई कार्य पूरा हो गया है।
- फिजिकल कार्य जैसे क्लीयरिंग एवं ग्रबिंग और कठिन परिश्रम का कार्य, आरओडब्ल्यू की बेरीकेडिंग का कार्य प्रगति पर है और अर्थवर्क शुरू की गई है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 10.53 प्रतिशत और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 5.05 प्रतिशत रही है।

मकरपुरा– जेएनपीटी अनुभाग (ईएमपी–16)

- खरबाओ, करंजदे, दाहेली और पंचाल टीएसएस में वास्तविक कार्य प्रगति पर है और यह कार्य नए अमालसाड टीएसएस में शुरू किया गया है।
- कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 13.69 प्रतिशत है और कुल वित्तीय प्रगति लगभग 10.95 प्रतिशत है।

मकरपुरा– जेएनपीटी अनुभाग (सीटीपी–17)

- जांच और डिजाइन कार्य प्रगति पर हैं। कार्य की कुल वास्तविक प्रगति लगभग 14.09 प्रतिशत है और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 11.21 प्रतिशत है।

स्पेशल स्टील ब्रिज (सीटीपी–15A, सीटीपी–15B, सीटीपी–15C)

- सर्वेक्षण और भू–तकनीकी जांच कार्यों को पूरा कर लिया गया है। सीटीपी–15A, सीटीपी–15B और सीटीपी–15C में अब तक कुल राशि 231.35 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। सभी तीन पैकेजों में फाउंडेशन में कंक्रीटिंग कार्य प्रगति पर है।
- वास्तविक कार्य की प्रगति लगभग 28.41 प्रतिशत है और समग्र वित्तीय प्रगति लगभग 21.76 प्रतिशत है।

परिचालन एवं व्यवसाय विकास

- **जून 2018 में,** औरैया थर्मल पावर प्लांट को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। यूएम पावर लिमिटेड को निजी साइडिंग की अनुमति दी गई। इसके अलावा, जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट के लिए ईडीएफसी के साथ बरहान–एटा ब्रांच लाइन की रेल कनेक्टिविटी के लिए एनओसी दी गई है।
- **मई 2018 में,** आईडब्ल्यूएआई वाराणसी परियोजना की डीपीआर को 22.05.2018 को शर्तों के अनुपालन के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित किया गया है। आईएसएमडी–केडी–2 : संचालन और रखरखाव, सुरक्षा प्रबंधन और मानव संसाधन योजना के विषय पर रिपोर्ट 18.05.2018 को मंजूर की गई थी।
- **अप्रैल 2018 में,** डीएफसीसीआईएल प्रचालन मैनुअल और डीएफसीसीआईएल दुर्घटना मैनुअल को अंतिम रूप दिया गया है।

भूमि अधिग्रहण

- अब तक सेक्शन 20F के तहत घोषित कुल एवॉर्ड 11,148 हेक्टेयर भूमि (डब्ल्यूडीएफसी : 6000 हेक्टेयर में से 5949 हेक्टेयर और ईडीएफसी : 5664 हेक्टेयर में से 5,199 हेक्टेयर) है।
- जून, 2018 तक 13,035 करोड़ रुपए मुआवजा (डब्ल्यूडीएफसी : 5910 करोड रूपए, ईडीएफसी : 7125 करोड़ रूपए) दिया गया है। यह सोननगर–डानकुनी अनुभाग को छोड़कर 98.3 प्रतिशत और कुल 95.6 प्रतिशत है।

मानव संसाधन

- **जून 2018 में** डीएफसीसीआईएल के 13 अधिकारियों के लिए ''मूल संरचना परियोजनाओं में कॉन्ट्रेक्ट प्रबंधन, मध्यस्थता, ढलान स्थिरीकरण की चुनौतियां आदि'' पर विभिन्न प्रशिक्षण और कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। इसी अवधि में, 4 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर डीएफसीसीआईएल में शामिल हो गए हैं और 2 अधिकारियों को एजीएम से जीएम (सिविल) में पदोन्नत किया गया है।
- **मई 2018 में,** डीएफसीसीआईएल के 2 अधिकारियों ने ''आरटीआई और सीएसआर इत्यादि'' पर विभिन्न प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में भाग लिया।
- **अप्रैल 2018 में,** डीएफसीसीआईएल के 111 अधिकारियों और कर्मचारियों ने आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा ''स्वास्थ्य और खुशी'' पर आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में भाग लिया, संचार, कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स में उभरते रुझानों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पर्यवेक्षकों के लिए टनेलिंग पर विशेष पाठ्यक्रम, सार्वजनिक खरीद ई–खरीद, जेंडर संवेदीकरण आदि में भाग लिया।

प्रदर्शनियों में डीएफसी

डीएफसीसीआईएल ने भोपाल में 15 से 17 अप्रैल, 2018 के दौरान भोपाल हाट में रेलवे सप्ताह समारोह में आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया।

डीएफ़सीसीआईएल ने एनसीपीए, मुंबई में 24 से 26 जून, 2018 तक आयोजित इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सपो 2018 में भाग लिया।

डीएफसीसीआईएल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

डेडीकेटेड फ्रेट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दिनांक 21.06.2018 को चौथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डीएफसीसीआईएल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक, निदेशक/अवसंरचना एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी समेत डीएफसीसीआईएल के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। इसके अलावा डीएफसीसीआईएल के अन्य शहरों में स्थित कार्यालयों में भी दिनांक 21.06.2018 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

प्रबंध निदेशक एवं अधिकारी और कर्मचारी योगासन करते हुए

मेरा प्रारब्ध

वह तृण मत समझना मुझको..
जो तीव्र पवन में उड़ जाएगा..
यह तो निलय निर्माण करेगा..
जब किसी नीड़ में जुड़ जाएगा..

मेरी इस ध्वनि का तो कभी भी..
कोलाहल में ना भंजन होगा..
मैं तो वह चिर स्वर हूँ जिसका..
सदा प्रतिध्वनि बन गुंजन होगा..

यह दोष विधाता पर क्यों मढ़ना..
मैं सौभाग्य से यदि सम्पन्न नहीं..
उसकी अनमोल देन है यह भी..
आत्मबल से भी मैं विपन्न नहीं..

निर्दय स्थितियों से कटु वारों से..
यह अस्तित्व ना मेरा बिखरेगा..
जीवन की इन परीक्षाओं से तो..
मेरा आवेग निहित बस निखरेगा..

किसी विपदा में भी नहीं करता..
कभी चिंतित मेरा प्रारब्ध मुझे..
गिर गिर कर उठ खड़ा हुआ हूँ..
है नियति देखकर स्तब्ध मुझे..

शशांक शेखर
कार्यकारी/सिविल/ई.सी.
कारपोरेट कार्यालय

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

सीएसआर के अंतर्गत डीएफसीसीआईएल में अनेक गतिविधियां की गई जिनमें ये सम्मिलित है–

- ''सक्षम परियोजना'' चरण III के अंतर्गत पूर्वी कोरीडोर के अंबाला एवं मेरठ में तथा पश्चिम कोरीडोर के मुंबई (दक्षिण) एवं नोएडा में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के माध्यम से रोजगार/स्व–रोजगार हेतु 950 गरीबी रेखा से नीचे/परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिस पर 99.75 लाख की राशि खर्च की गई साथ ही 70% के लक्ष्य के विरूद्ध 73% अभ्यर्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ।
- ''ज्योति परियोजना'' के अंतर्गत पूर्वी कोरीडोर के कोलकाता (धनबाद) इकाई एवं पश्चिम कोरीडोर के जयपुर इकाई द्वारा रेलवे स्टेशनों पर सोलर पैनल स्थापित किए गए जिनकी लागत रु. 49.53 लाख है।
- ''ज्योति परियोजना'' के अंतर्गत केंद्रीय इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम के माध्यम से गांवों में सोलर पॉवर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम / सोलर लालटेन लगाने का कार्य किया गया जिस पर रु 49.61 लाख की लागत आई। इसी प्रकार 34 गांव (अजमेर, राजस्थान में 07, इलाहाबाद पूर्व, उत्तर प्रदेश में 27) में 200 एसपीवी स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य पूरा किया गया।
- पूर्वी कोरीडोर के टूंडला एवं पश्चिम कोरीडोर के अहमदाबाद के स्कूलों में कम्प्यूटर दिए गए है जिनकी लागत रु. 9.55 लाख है।

डीएफसीसीआईएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन

जनवरी–मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही अवधि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 08 मई, 2018 को प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक महोदय की सहमति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- सैप (SAP) में अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी की सुविधा को शीघ्र से शीघ्र शुरू किया जाए ताकि धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।
- हिंदी की नोटिंग के लिए प्रायः लिखे जाने वाले मानक वाक्यों की सूची सभी अधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए ताकि उन्हें हिंदी में कार्य करने में सहायता मिल सके।

तिमाही के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने के लिए पुरस्कार प्रदान करते हुए प्रबंध निदेशक

- अधिकारीगण जब भी परियोजना कार्यालय का निरीक्षण करें उसमें हिंदी कार्य का भी निरीक्षण करें तथा निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति राजभाषा विभाग को प्रेषित करें ताकि इसकी जानकारी कॉर्पोरेट कार्यालय के राजभाषा विभाग को हो सके।
- दिनांक 31 मई, 2018 से 01 जून, 2018 तक डीएफसीसीआईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक, राजभाषा/रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड एवं उप निदेशक, राजभाषा विभाग/गृह मंत्रालय आदि के व्याख्यानों से कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारी/अधिकारी लाभान्वित हुए। कार्यशाला के अंतिम दिन एक हिंदी कार्यशाला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।
- दिनांक 14 जून, 2018 को डीएफसीसीआईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली उपक्रम–2 के तत्वाधान में एक दिवसीय हिंदी कार्याशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन श्री अनिल कुमार सिंह/मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं समूह महाप्रबंधक परिचालन एवं संरक्षा, श्री अशोक कुमार, सचिव/नराकास एव श्री सुन्दर सिंह/उप मुख्य, राजभाषा अधिकारी एवं अपर महाप्रबंधक/मानव संसाधन के कर–कमलों से दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यशाला में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से आए राजभाषा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता प्रदान की। कार्याशाला के दौरान निदेशक/राजभाषा, रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड द्वारा संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण की प्रश्नावली भरने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यशाला में 45 अधिकारियों ने भाग लिया।

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

जून, 2018

राकेश कुमार

कार्यकारी/ओ पी बी डी, इलाहाबाद/पूर्व

श्री कुमार ने अपनी Autocad और निर्माण कार्ययोजना के कौशल से जी+2 टाइप–II क्वार्टर की लेआउट योजना तैयार की।

कार्य की प्रगति

पश्चिमी डीएफ़सी – स्टील गर्डर रींगुस आरओबी पर लॉच किया जा रहा है

पश्चिमी डीएफ़सी का पैकेज 15बी में प्रमुख नर्मदा नदी पर पुल का कार्य प्रगति पर

पूर्वी डीएफ़सी – टौंस नदी पर पूल का कार्य प्रगति पर

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार,
पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: mowais@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** मौ. ओवैस, **सह-संपादक:** राजेश खरे
www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india www.youtube.com/dfccilindia